छठे दिन राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा बून्दी से शुरू

बून्दी, 10 दिसम्बर (निसं)। बूंदी के गुडली में एक दिन के विश्राम के बाद शनिवार को केशोरायपाटन से भारत जोड़ो यात्रा सुबह 8:40 बजे शुरू हुई। राहुल गांधी सवाई माधोपुर में सोनिया गांधी का जन्मदिन मना कर सुबह केशोरायपाटन पहुंचे और सीधे रिलायंस पैट्रोल पंप से यात्रा में शामिल हुए।

बूंदी के केशोरायपाटन से शुरु हुई भारत जोड़ो यात्रा लगभग 14 किमी का सफर तय करके अरनेठा पहुंची, जहां यात्रा ने टी ब्रेक लिया। अरनेठा से ही पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट यात्रा में शामिल हुए। यहां से पुन: दोपहर 3.30 बजे शुरू होकर यात्रा ने अगले पड़ाव कापरेन के बालापुरा चौराहे तक 9.6 किमी का सफर तय किया। यहाँ पर यात्रियों के लिए नाश्ते पानी की व्यवस्था की गई थी।

यात्रा में शनिवार को दस किलोमीटर के सफर में अलग-अलग धर्मगुरुओं को भी राहुल ने अपना सहगामी बनाया, जिनके साथ उन्होंने राजस्थान के संदर्भ में चर्चा की। वहीं, राहुल गाँधी सफाई कर्मियों के साथ भी लंबी दूरी तक चलते नजर आए। राहुल ने सफाईकर्मियों के गले में हाथ डालकर फोटो खिंचवाया और उनके काम के बारे में बातचीत की। शनिवार की यात्रा में सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी के शामिल होने की अपुष्ट जानकारी मिल रही थी, ऐसे में कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों में एक अलग ही उत्साह व जोश था, जो इनके नहीं आने से थोड़ा कमजोर पड़ा।

ज्ञातव्य है कि यात्रा सुबह 6 बजे गुड़ली से रवाना होनी थी। लेकिन बाद में यात्रा 8:40 बजे केशोरायपाटन से प्रारंभ की गई, जिससे स्थानीय आमजन और ग्रामीण निराश नज़र आए।

- अरनेठा में टी ब्रेक हुआ और यहीं से पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट यात्रा में शामिल हुए, इससे पूर्व वे शेरबाग पैलेस होटल गये जहां सोनिया व प्रियंका रुकी हुई हैं।
- सी.एम. गहलोत, सांसद अधीर रंजन चौधरी सहित कई बड़े नेता भारत जोड़ों यात्रा में शामिल हुए।
- धर्म गुरू और सफाईकर्मी भी राहुल गांधी के यात्रा में सहयात्री बने।
- यात्रा के दौरान स्थानीय नेताओं से खुलकर चर्चा की।
- राहुल की झलक पाने को क्षेत्रवासी बेताब दिखे।

बूंदी में यात्रा के पहले दिन पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट सवाईमाधोपुर से यात्रा से जुड़ने के लिए अरनेठा पहुंचे और टी ब्रेक के बाद यात्रा में राहुल गांधी के साथ चले।

भारत जोड़ो यात्रा में आज छठे दिन राहुल गांधी के साथ सांसद अधीररंजन चौधरी, वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह, जयराम रमेश, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पीसीसी अध्यक्ष गोविन्द डोटासरा, पूर्वउपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, प्रभारी मंत्री जाहिदा खान, खेल मंत्री अशोक चांदना, राजस्व मंत्री राम लाल जाट, पीसीसी प्रदेश उपाध्यक्ष हरिमोहन शर्मा, पीसीसी सदस्य राकेश बोयत, सत्येश शर्मा, पूर्व विधायक सी.एल.प्रेमी, जिला वक्फबोर्ड अध्यक्ष इकरामुद्दीन बबलू सहित राजस्थान मंत्रीमंडल के सदस्य और पार्टी के कई राष्ट्रीय व प्रदेश के नेता शामिल हुए। बूंदी जिले से हरिमोहन शर्मा, राकेश बोयत और अशोक चांदना के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए।

पचपदरा विधायक मदन प्रजापत आज भी नंगे पैर भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए। बालोतरा को जिला बनाने तक जूते नहीं पहनने का संकल्प लिए हुए मदन प्रजापत झालावाड़ से ही यात्रा में शामिल हैं, और कहा जा रहा है कि, राजस्थान में पूरी यात्रा के दौरान बिना जूते पहने चलेंगे। आज की यात्रा में एक दिव्यांग यात्री भी शामिल हुआ। कांग्रेस ने, "हम होंगे कामयाब" लिखकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह फोटो शेयर किया। भारत जोड़ो यात्रा में आज का दिन महिलाओं के लिए तय किया गया था, लेकिन अब 12 दिसंबर को राहुल के साथ मुख्य घेरे में केवल महिला यात्री ही चलेंगी। प्रियंका गांधी भी इस दिन यात्रा का हिस्सा होंगी। इसे महिला शक्ति पदयात्रा नाम दिया गया है।

पूरी यात्रा के दौरान राहुल गांधी केशोरायपाटन विधानसभा प्रत्याशी राकेश बोयत व खेल राज्य मंत्री अशोक चांदना से लंबी चर्चा करते हुए दिखाई दिए। राहुल ने दोनों ही नेताओं के साथ जिले एवं प्रदेश की राजनीतिक स्थिति को लेकर लंबी चर्चा की।

यात्रा के दौरान बेरोजगार युवाओं ने भर्ती घोटाले रोकने का बैनर लहराया। शनिवार शाम करीब पांच बजे टी ब्रेक के लिए जब राहुल गांधी रुके थे तभी, करीब साढ़े पांच बजे यात्रा जैसे ही आगे बढ़ी कि, बूंदी के कापरेन में युवाओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। छतों पर खड़े युवा हाथ में बैनर लिए हुए थे। बैनर पर भर्ती घोटाले रोकने, कार्तिक भील को न्याय देने और कांकरी डूंगरी मामले में आदिवासियों पर दर्ज केस वापस लेने की मांगें लिखी हुई थीं।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा शनिवार को बूंदी के केशवरायपाटन से शुरु हुई। यात्रा में धर्म गुरुओं के साथ-साथ सफाईकर्मी भी शामिल हुये। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट शेरगढ़ गैस काण्ड के पीड़ितों से मिलने जोधपुर गये हुये थे इसलिए वे टी ब्रेक के बाद अरनेठा से यात्रा में शामिल हुये।

और यात्रा के दौरान बीच में राहुल गांधी ने सचिन पायलट को रोककर अलग से चर्चा की

टी ब्रेक के दौरान मुख्यमंत्री के जाने के बाद हुई चर्चा राजनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है

- इससे पहले सचिन पायलट सवाई माधोपुर के होटल शेर बाग पैलेस गए थे जहां सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी रूकी हुई हैं।
- यात्रा के दौरान राहुल गांधी सफाई कर्मियों से मिले और करोना के दौरान अपने पिता को खो चुकी एक बच्ची को पूरी मदद का भरोसा दिलाया।

जयपुर, 10 दिसम्बर (का.प्र.)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के छठे दिन वैसे तो रोजाना की तरह ही यात्रा आगे बढ़ती रही है, लेकिन राजस्थान के लिहाज से एक राजनीतिक घटना हुई। हुआ यूँ कि, टी ब्रेक के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के रवाना होने के बाद राहुल गांधी ने सचिन पायलट को रोका और अलग ले जाकर करीब 5 मिनट तक दोनों नेता चर्चा करते रहे। दोनों नेताओं के बीच किस विषय को लेकर चर्चा हुई, यह ज्ञात नहीं है, क्योंकि चर्चा के वक्त तीसरा व्यक्ति मौजूद नहीं था। लेकिन गुजरात और हिमाचल प्रदेश के नतीजों के बाद इन दोनों नेताओं के बीच की यह वार्ता काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

इससे पहले सचिन पायलट सवाई माधोपुर के होटल शेर बाग पैलेस रुकते हुए यात्रा में पहुंचे। ज्ञातव्य है कि सवाई माधोपुर के शेरबाग पैलेस होटल में सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी ठहरी हुई हैं।

उल्लेखनीय है कि, गुजरात में वरिष्ठ पर्यवेक्षक के रुप में अशोक गहलोत को चुनाव की जिम्मेवारी दी गई थी, उन्होंने वहां कई बार यात्रा की, जनसभाएं की, चुनाव मैनेजमेंट किया, लेकिन गुजरात के नतीजे कांग्रेस के लिए अब तक के सबसे खराब नतीजे आए हैं। वहीं, दूसरी ओर सचिन पायलट को वरिष्ठ पर्यवेक्षक भूपेश बघेल के साथ पर्यवेक्षक के रुप में हिमाचल प्रदेश भेजा गया था।

सचिन पायलट ने हिमाचल प्रदेश में 20 से ज्यादा रैलियां की थीं, जिनमें से 13 सीटों पर कांग्रेस को जीत मिली। इस संदर्भ में राहुल गांधी की सचिन पायलट से यात्रा के दौरान अलग से चर्चा करना राजनीतिक जानकारों के लिए उत्सुकता का विषय बन गया है।

शनिवार को राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा बूंदी के कापरेन के पास बालापुरा चौराहे पर शाम करीब सवा छह बजे पूरी हुई। यह यात्रा सुबह केशोरायपाटन के गुडली चौराहे से शुरू हुई थी, जिसमें कुल 23 किलोमीटर का सफर तय किया गया।

बच्चों से मुलाकात करते समय एक बच्ची से जब उसके परिवार, पढ़ाई तथा माता-पिता के बारे में पूछा, तो बच्ची फूट-फूट कर रोने लगी। इस बच्ची के पिता का करोना के दौरान निधन हो चुका है। राहुल गांधी ने बच्ची को हौसले से काम लेने को कहा, तथा हर संभव मदद का भी भरोसा दिलाया। राहुल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से बच्ची का ध्यान रखने और उसकी मदद करने को कहा। नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जयराम रमेश ने गुजरात चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी और ए. आई. एम. आई. एम. पर हमला बोलते हुए कहा कि दोनों पार्टियां वोट कटवा हैं। जहां भी कांग्रेस-भाजपा में सीधा मुकाबला होता है, वहां ये दोनों वोट काटने पहुंच जाते हैं। ये दोनों भाजपा की बी टीम हैं। गुजरात में हार के लिए जयराम रमेश ने कमजोर पार्टी संगठन को जिम्मेदार बताया।

सुक्खू का दावा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जीता। वह साढ़े छह वर्ष के रिकॉर्ड समय तक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहे। उन्हें उस पद से हटाया गया, लेकिन पार्टी हाईकमान ने उन्हें राज्य चुनाव कमेटी का अध्यक्ष बना दिया। हमीदपुर जिले की पांच विधानसभा सीटों में से चार को कांग्रेस की झोली में डालने का श्रेय सुखू को जाता है। पांचवी सीट पर एक निर्दलीय जीता है जो भी उनके समर्थन में आ गया है। इस प्रकार से उन्होंने हमीरपुर जिले के "भाजपा मुक्त" कर दिया है। ऐज फैक्टर भी उनके पक्ष में रहा। प्रतिभा सिंह की आयु 66 वर्ष है, जबकि उनकी 58 वर्ष है। हिमाचल के निचले भाग का निवासी होना भी उनके पक्ष में गया क्योंकि इस क्षेत्र से कोई अब तक मुख्यमंत्री नहीं बना है।

'गांव में आठवीं तक का ही स्कूल, लड़कियां आगे नहीं पढ़ पातीं'

एलन स्टूडैंट ने राहुल गांधी के सामने समस्या रखी

कोटा, 10 दिसम्बर (निसं)। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान शनिवार को राहुल गांधी बूंदी जिले के अरनेठा में कोटा के कोचिंग स्टूडैन्ट्स से मिले और उनके साथ करीब पौन घंटे तक खुलकर बात की। स्टूडैन्ट्स ने शिक्षा व्यवस्था, संसाधन, करियर से जुड़ी बातें की और राहुल गांधी ने भी अपना मत रखा। कुछ स्टूडैन्ट्स ने अपनी समस्याएं बताईं, जिनके समाधान भी उपलब्ध करवाए गए।

ये सभी छात्र वो हैं जिन्हें राज्य सरकार की अनुप्रति कोचिंग योजना के अंतर्गत कोचिंग मिल रही है। इस चर्चा में एलन करियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड के 8 छात्र भी शामिल हुए, जिनके साथ एलन के वाइस प्रैसिडैंट पंकज काबरा व सीनियर फैकल्टी विनोद शर्मा भी थे।

भूमिका गौड़, खुशी मेघवाल, देवेन्द्र चौधरी, सचिन कुमार भास्कर, गिरधर सुमन, सिद्धार्थ सेन, विष्णु पारेता और दुर्गेश वैष्णव आदि छात्रों के साथ राहुल गांधी की चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा भी मौजूद थे।

चर्चा के दौरान एलन के दुर्गेश वैष्णव ने कहा, मैं सवाई माधोपुर के खण्डार तहसील के गांव झौपड़ी सुमनपुरा से हूं। यहां आठवीं तक ही स्कूल है। लड़के तो इसके बाद बाहर जाकर पढ़ लेते हैं लेकिन लड़कियों की पढ़ाई छूट जाती है, मेरे गाँव में स्कूल 12वीं तक होना चाहिए।

- राहुल गांधी ने यह सुनकर वहां मौजूद मु.मंत्री गहलोत को इशारा किया तो गहलोत ने तुरंत अधिकारियों को सवाईमाधोपुर के झोपड़ी सुमनपुरा गांव स्कूल को क्रमोन्नत करने के आदेश दिए।
- भारत जोड़ो यात्रा के दौरान शनिवार को राहुल गांधी ने अरनेठा में कोटा के कोचिंग छात्रों से मुलाकात की, छात्रों ने खुल कर राहुल गांधी से अपने मन की बातें कहीं।

इसके बाद राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की तरफ इशारा किया और गहलोत ने तुरंत अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए। एलन की छात्रा खुशी मेघवाल ने कहा, मैं इंजीनियरिंग करना चाहती हूं और साथ में ताइक्वांडो भी सीखना चाहती हूँ, इसकी कोई कोचिंग नहीं है, फिलहाल मैं यू-ट्यूब से सीख रही हूं।

खुशी का नयापुरा स्टेडियम में संचालित की जाने वाली ताइक्वांडो अकेडमी में एडमिशन करवाया गया।

छात्रों से बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने कहा, "आप सभी इंजीनियरिंग या मेडिकल की कोचिंग कर रहे हैं। मैं कन्याकुमारी से चलकर यहां तक आ रहा हूं, बच्चों से बात करता हूं तो हर बच्चा डॉक्टर या इंजीनियर बनने की बात कहता है, ऐसा क्यों?, आप स्वयं बनना चाहते हैं या किसी दूसरे की इच्छा इसमें शामिल है। आपको खुद को जानना चाहिए।

इसके बाद देखना चाहिए कि आपकी इच्छा क्या है, फिर अपने लक्ष्य को पहचानें और उसे पाने के लिए मेहनत करें। यदि ऐसा करेंगे तो आप अपना बेस्ट दे सकेंगे और उस क्षेत्र में देश को आगे ले जा सकेंगे।"

छात्रों से बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने जब कहा कि, आप लोग डॉक्टर या इंजीनियर बनने तक ही सीमित क्यों रहते हैं, तो छात्रों ने जवाब दिया, हम दूसरे क्षेत्रों में करियर के बारे में नहीं जानते। इस पर राहुल गांधी ने कहा, यह हमारी शिक्षा व्यवस्था की कमजोरी है।

आप दूसरे विषयों के बारे में सोचें, उनमें करियर की संभावनाओं को समझें, दूसरे विषय या इनके अलावा किस-किस क्षेत्र में करियर बनाया जा सकता है, यह जानें, एक्सपर्ट्स से मिलें, समझें। मल्टिपल करियर ऑप्शन्स को समझेंगे तभी कुछ अलग कर सकेंगे।

भूंगरा गैस विस्फोट कांडः चार और लोगों की मौत

जोधपुर, 10 दिसम्बर (कासं)। जोधपुर के निकटवर्ती शेरगढ़ तहसील स्थित भूंगरा गांव में गुरूवार को शादी समारोह में हुए गैस काण्ड में लगी आग से झुलसने वाले चार और लोगों की शनिवार सुबह मौत हो गई। इसमें दो बच्ची और एक वृद्ध महिला, एक युवक है।

हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। इनकी संख्या और भी बढ़ सकती है। कई लोग अब भी 70 फीसदी से ज्यादा झुलसे हुए है। बर्न यूनिट में संक्रमण का खतरा भी बना हुआ है। शनिवार की सुबह भूंगरा की ही 10 साल की सज्जन कंवर पुत्री उत्तम सिंह, 60 साल की सुआकंवर पत्नी अमरसिंह एवं 12 साल की पूनम पुत्री बाबूसिंह तथा एक युवक की मृत्यु हुई है। इससे पहले शुक्रवार की देर शाम तक छह लोगों की मौत हो गई थी और गुरूवार को हादसे के बाद दो बच्चों की मृत्यु हुई थी।

पुलिस के अनुसार इस हादसे में अभी तक 13 साल की धापू देवी पुत्री भंवरसिंह, 40 साल की चंद्रकंवर पत्नी धनसिंह एवं कंवरूकंवर पत्नी मदन सिंह, खुशबू पुत्री गणपत सिंह और रतन सिंह पुत्र सांगसिं धापूकंवर पुत्री बाबू सिंह एवं 16 साल की प्रकाशकंवर पुत्री नरपतसिंह की भी मौत हो गई थी।

गौरतलब है कि, जिले के शेरगढ़ स्थित भूंगरा गांव में सगतसिंह की ढाणी में उनके पुत्र सुरेंद्र सिंह की शादी थी। बारात रवानगी से पहले ही दोपहर में गैस रिसाव के साथ भीषण आग लगी और दो गैस सिलेण्डर फट गए। उस समय घर मेहमानों से भरा हुआ था। जिससे घर परिवार रिश्तेदारी के 54 लोग आग में झुलस गए थे।

कांग्रेस ने साफ मैसेज दिया, मेहनत व पार्टी के प्रति...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बोर्ड या कॉरपोरेशन के अध्यक्ष भी नहीं रहे।

वर्ष 1981 में शिमला के गवर्नमैन्ट डिग्री कॉलेज की 11वीं कक्षा में जब वह कक्षा प्रतिनिधि बने तो राजनीति में यह उनका पहला कदम था। तब से लेकर कांग्रेस संगठन के विभिन्न स्तरों पर उनका उत्थान ही हुआ है चाहे वह एन.एस.यू.आई. हो, यूथ कांग्रेस हो या राज्य कांग्रेस हो।

वर्ष 2003 में वह विधानसभा के लिए पहली बार निर्वाचित हुए। उसके बाद वह 2007 और 2017 में भी जीते, लेकिन अब चौथी जीत ने तो उन्हें सीधे राज्य के शीर्ष पद पर पहुंचा दिया है।

सुक्खु वर्ष 2007 से 2012 तक कांग्रेस विधायक दल के चीफ व्हिप रहे। वह प्रत्येक चरण को व्यावहारिक रूप से पार कर मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचे हैं। वह शिमला म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन (एस.एम.सी.) में दो बार पार्षद निर्वाचित हुए। पहले तो वर्ष 1992-97 के कार्यकाल के लिए और फिर वर्ष 1997 से 2002 तक के लिए। इसके बाद वह विधायक बने।

साधारण पृष्ठभूमि से मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने वाले सुखविंदर के पिता सरकारी सेवा में थे। सुखविंदर को 6 बार के मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह का घोर विरोधी माना जाता था और शायद इसीलिए उन्हें ऐसे नेता के रूप में अलग जगह बनाने में मदद मिली जो वीरभद्र जैसे दिग्गज नेता को भी चुनौती दे सकते है। इसके लिए सुखविंदर का रानी प्रतिभा सिंह ने विरोध भी किया पर नवनिर्वाचित 40 विधायकों में से अधिकांश का समर्थन प्राप्त होने से उन्हें मदद मिली।

वे संगठन के नेता हैं और कांग्रेस की तीनों शाखाओं एन.एस.यू.आई., युवा कांग्रेस और हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रमुख रह चुके है। यह योग्यता अभी शायद किसी के पास भी नहीं है। वे कॉलेज के जमाने से ही राजनीति में सक्रिय हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश युनिवर्सिटी से एम.ए., एल.एल.बीच की है। वे 10 साल तक युवा कांग्रेस और 6 साल तक युवा कांग्रेस और 6 साल तक हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख रहे।

निजी जीवन की बात करें तो उनकी पत्नी कमलेश एक पूर्व सैनिक की पुत्री हैं और गृहिणी है। उनके दो बेटियां हैं, जो दिल्ली में पढ़ती हैं। छात्र जीवन में उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। पढ़ाई के खर्चे के लिए उन्होंने न्यूज पेपर एजेंट के रूप में भी काम किया। सुक्खु के सामने कड़ी चुनौती है उन्हें प्रदेश अध्यक्ष रानी प्रतिभा के साथ लेकर चलना होगा। सांसद प्रतिभा वीरभद्र सिंह की पत्नी हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए दावा किया था, पर उन्हें विधायकों का समर्थन नहीं मिला। उन्हें मनाना सुक्खु के लिए कड़ी चुनौती होगी।

भारी सुरक्षा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की बात का खुलासा एक आर.टी.आई. तहत पूछे गए सवाल के जवाब में महेशचन्द्र मीना ने किया। जो पत्थर चोरी हुए हैं, उन्हें शाहजहां और मुमताज की कब्र से निकाला गया है। मुख्य इमारत और राजसी गेट पर लगे बहुमूल्य पत्थर भी चोरी हुए हैं। मौलवी मोइनुद्दीन द्वारा लिखित ऐतिहासिक पुस्तक "द ताज एण्ड इट्स एनवायरमैंट" के अनुसार ताजमहल में जड़वाने के लिए करीब 42 प्रकार के बहुमूल्य पत्थर विभिन्न देशों से मंगवाए गए थे। इनमें तिब्बत से फिरोजा, बगदाद से 540 अकीक के अलावा 143 मूंगे, 74 नीलम, 42 जवाहरात और 142 माणक भारत से थे। आर.टी.आई. प्रत्युत्तर के अनुसार ए.एस.आई. ने ताज की दक्षिणी और पश्चिमी मीनारों पर नए पत्थर लगाने में 15.77 लाख रूपए खर्च किए। उसने वर्ष 2018-19 में 51 लाख, वर्ष 2017-18 में 42 लाख, वर्ष 2015-16 में 20 लाख रूपए नवीन कार्यों पर व्यय किए।

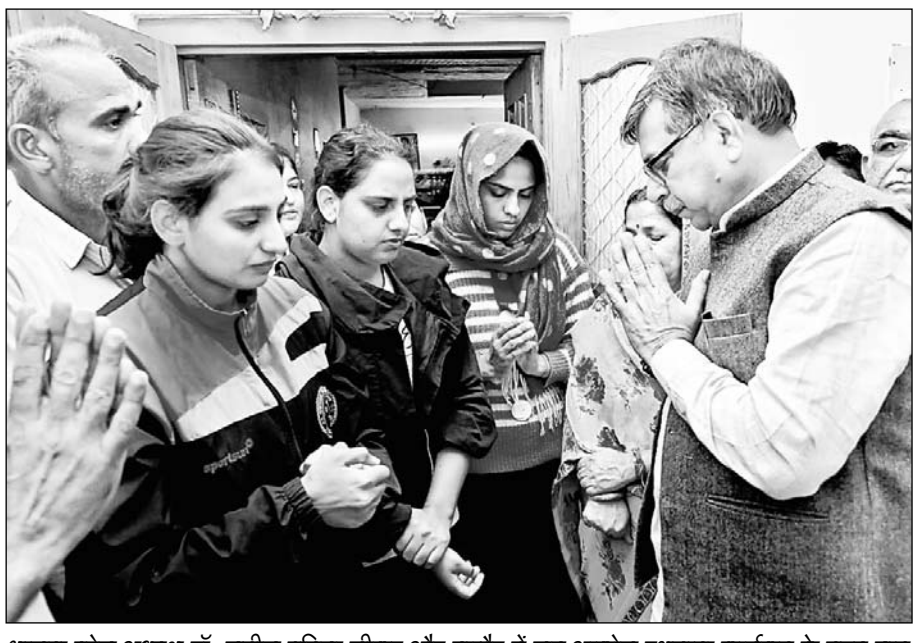

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया सीकर और नागौर में जन आक्रोश रथयात्रा कार्यक्रम के तहत ग्राम चौपालों और रात्रि चौपालों को संबोधित कर रहे हैं। सुबह 11 बजे उन्होंने सीकर जिले के फतेहपुर शेखावाटी में जन आक्रोश रथयात्रा के तहत आमजन, व्यापारियों और दुकानदारों से मुलाकात कर उनसे संवाद किया।

प्र.मंत्री मोदी राष्ट्रपति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देशों द्वारा निंदा की जाती रही है। भारत ने इसके बजाए रूस से तेल की खरीद में इजाफा किया क्योंकि यह तेल अन्तर्राष्ट्रीय बाजार की प्रचलित कीमतों से कम कीमत पर बेचा जा रहा है। अब रूस के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन से इंकार करने का भारत का निर्णय विदेश नीति को लेकर उसके स्वतंत्र रूख के प्रति एक स्पष्ट बयान होगा। इन्टरनैशनल डीलिंग्स में ताकत का इस्तेमाल करने को लेकर यह भारत के सैद्धांतिक रूख को भी स्पष्ट करेगा।

हालांकि इस कदम में भारत के लिए गंभीर जोखिम भी हैं। इस तरह का निर्णय रूप को नाराज कर सकता है और उसके राष्ट्रपति भारत की डिफैंस सप्लाई पर रोक लगा सकते हैं। भारत के खिलाफ चीन की शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों और सीमाई झड़पों के जारी होने को देखते हुए हथियार और सैन्य उपकरणों की रूस की सप्लाई में लगने वाले किसी भी प्रतिबंध से भारत गंभीर समस्या का सामना कर सकता है। आखिरकार हथियार और गोलाबारूद के एक सिस्टम को हटाकर रातों-रात दूसरा सिस्टम लागू नहीं किया जा सकता। इस प्रकार का घटनाक्रम भारत को सीधे अमेरिका और पश्चिमी देशों की गोद में बिठा सकता है। इसके लिए पश्चिम के डिफैंस नैटवर्क के साथ भारत के निकट समायोजन की जरूरत होगी। वास्तव में, यह भारत और पश्चिमी देशों के बीच "नाटो" जैसे किसी लिंक का विस्तार हो सकता है। ऐसे कुछ घटनाक्रम पहले ही हो चुके हैं। क्वाड देशों के संगठन सदस्य के रूप में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ एशिया में युद्धाभ्यास करता है। चीन क्वाड की स्पष्ट आलोचना और विरोध करता रहा है। वास्तव में यूक्रेन युद्ध ने अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था में मूलभूत बदलाव किए हैं और उक्त परिवर्तन नवीनतम हो सकते हैं।

डॉ. सतीश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को शांत कर पाएंगे? क्या उस मामले को लेकर एक्शन ले पाएंगे? अवैध खनन केवल भरत सिंह के शब्दों से ही नहीं, राजस्थान में जितना माफिया पनपा, उसमें अशोक गहलोत की कांग्रेस पार्टी की सरकार के शासन में राजस्थान की जनता के सामने जो सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न है वह अवैध माइनिंग है, क्या उस पर आप लगाम लगा पाएंगे?

दिल्ली में "ऑनलाइन" दवाओं की सेल व टैस्टिंग को रेगुलेट करने के लिए कोई कानून नहीं है

दिल्ली सरकार ने दिल्ली हाई कोर्ट में शपथ पत्र दायर कर यह तथ्य स्वीकार किया

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 10 दिसम्बर। दिल्ली हाईकोर्ट में गैरकानूनी रुप से ऑनलाइन कोविड टैस्ट करने का दावा कर रहे "ऑनलाइन फार्मेसी" के खिलाफ दायर मामले में अदालती आदेशों के बाद दिल्ली सरकार की ओर से शपथ पत्र पेश किया गया। इस मामले में दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव वीरेन्द्र सिंह रावत ने अदालत को कहा कि दिल्ली सरकार ने ऐसा कोई भी कानून पारित नहीं किया है, जिसके तहत अवैध तरीके से ऑनलाइन स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का दावा कर रही कंपनियों के खिलाफ कार्यवाही की जा सके। उन्होंने सरकार की ओर से दायर शपथ पत्र में कहा कि दिल्ली सरकार ने इसी मामले में 9 मई 2020 को पारित आदेशों की पालना के अनुसार 31 मई 2022 को डिज़ास्टर मैनेजमेंट एक्ट के तहत गाइड लाइन पारित की थी, परंतु इन गाइड लाइंस की पालना करवाना जिला मजिस्ट्रेट के हाथों में ही है। यह मामला डॉक्टर रोहित जैन की ओर से दायर किया गया है जिसमें कई "ऑनलाइन एग्रीगेटर" या "ऑनलाइन फार्मेसी" के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की गई है, क्योंकि यह कंपनियां कोविड तथा अन्य गंभीर बीमारियों की जांच का दावा करती हैं, परंतु यह कंपनियां ना तो सरकार द्वारा, ना ही आई.सी.एम.आर. या एन.ए.बी.एल. द्वारा प्रमाणित हैं। यहां तक कि यह पुष्टि भी नहीं की जा सकती कि इन लैबों ने मरीजों से प्राप्त सैंपलों की जांच भी की है कि नहीं।

- इससे पूर्व 2202 में दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार को आदेश दिये थे कि वह इन दोनों मुद्दों पर नियंत्रण पाने के लिए कोई व्यवस्था अथवा कानून तैयार करे।
- दिल्ली सरकार ने अपने शपथ पत्र में कहा है कि,दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार मई 2022 में एक "गाइडलाइन" पारित की थी, जिसकी क्रियान्विति की जिम्मेदारी जिला मजिस्ट्रेट्स के हाथ में है।
- इस मामले में याचिकाकर्ता डॉक्टर रोहित जैन की ओर से पैरवी कर रहे वकील शशांक देवसुधि ने कहा कि, "गाइडलाइन" केवल गाइडलाइन होती है और कानून-कानून होते हैं।

डॉ.रोहित जैन जयपुर के निवासी हैं और उनकी ओर से इस मामले में पैरवी अधिवक्ता शशांक देवसुधि कर रहे हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट से करोना संक्रमण की मुफ्त जांच कराने के लिये अधिवक्ता शशांक देवसुधि ने ही जनहित याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका के पक्ष में फैसला करते हुए आदेश पारित किये थे कि पूरे देश में आई.सी.एम.आर. और एन.ए.बी.एल. द्वारा प्रमाणित लैब ही करोना की जांच कर सकती हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने 2017 में भी आदेश पारित किये थे कि बड़ी लैबों में एम.डी.स्तर के डॉक्टर ही टैस्टिंग के लिये जिम्मेवार हों और वे ही टैस्ट की रिपोर्ट भी हस्ताक्षरित करें।

इस मामले में जब अधिवक्ता शशांक देवसुधि से बात हुई तो उन्होंने कहा कि देश की राजधानी में भी इन "ऑनलाइन एग्रीगेटर" कंपनियों की ठगी को रोकने के लिये कोई कानून नहीं है, जबकि सुप्रीम कोर्ट मेडिकल लैब, जो करोना तथा अन्य गंभीर बीमारियों की टैस्टिंग करती हैं, उनके संदर्भ में दो बार फैसला दे चुका है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा पारित "गाइड लाइन" कोई कानून नहीं है और कानून के अभाव में मुजरिमों के खिलाफ कैसे कार्यवाही की जायेगी? उन्होंने कहा कि इस गाइड लाइन में मुजरिमों को क्या दंड दिया जाये, इस बारे में कुछ नहीं कहा गया है। उन्होंने कहा कि यह मामला दिल्ली की परिसीमा के भीतर का ही नहीं है, क्योंकि करोना जैसी बीमारियों की "ऑनलाइन" जांच करने का दावा कर रही कंपनियां पूरे देशभर में सक्रिय हैं और जिन्हें नियंत्रित करने का कोई कानून नहीं है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908